LIBRARY

Reg. No. | | | | | | | | | | | |

BCAHDLN 101

I Semester B.C.A. Examination, December 2023/January 2024
(NEP – 2020) (Ability Enhancement Compulsory Course)
(2021 – 22 Batch Onwards)
LANGUAGE HINDI
(Group – III) (Paper – I)

Time : 2 Hours | Max. Marks : 60

I. **एक** शब्द या **एक** वाक्य में उत्तर लिखिए । **(1×10=10)**

1) आदमी के लिए बेशकीमती मोती क्या है ?
2) कुसंग से क्या होता है ?
3) पतितपावन कौन है ?
4) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम किस नाम से जाने जाते हैं ?
5) खजाना किसे कहा गया है ?
6) लोगों की प्यास और पानी का व्यापार किस प्रकार किया जा रहा है ?
7) हमने किसका मोल-भाव किया है ?
8) 'ताज' निबंध किसके द्वारा लिखा गया है ?
9) मनुष्य ने पंचतत्त्वों को किससे तौलना शुरू कर दिया है ?
10) नयी संस्कृति के आधार क्या हो सकते हैं ?

II. अ) किसी **एक** संदर्भ की व्याख्या कीजिए । **(5×1=5)**

1) 'कुसंग का ज्वर भयंकर होता है' ।
2) 'जिनको अपने भरोसे का बल है, ये जहाँ होंगे जल में तूम्बी के समान ऊपर रहेंगे ।'

आ) किसी **एक** संदर्भ की व्याख्या कीजिए । **(5×1=5)**

1) पानी का बिकना सृष्टि के एक तत्त्व के व्यापार में तब्दील हो जाना है । सृष्टि के लालित्य का करेंसी में बदल जाना है ।
2) वैश्वीकरण की उदार संस्कृति कारोबार में लचीली है, लेकिन मेहनतकशों के लिए निरंकुश है ।

P.T.O.

III. अ) 'नयी संस्कृति की ओर' निबंध का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

'मैं धोबी हूँ', इस निबंध में पौराणिक कथाओं के माध्यम से धोबी का चित्रण कैसे हुआ है ?

आ) 'जब मैं फेल हुआ' निबंध के आधार पर डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी के जीवन संघर्षो पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

'ताज' निबंध का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

IV. किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर लिखिए । **(5×2=10)**

1) व्यंजन किसे कहा जाता है ? उसके भेदों को उदाहरण के साथ लिखिए ।

2) शब्द की परिभाषा लिखते हुए, सार्थक शब्द और निरर्थक शब्दों को उदाहरण देकर समझाइए ।

3) वाक्य किसे कहते हैं ? रचना के आधार पर उसके भेदों को उदाहरण के साथ लिखिए ।

4) भाषा की परिभाषा लिखते हुए उसके स्वरूप को समझाइए ।

V. पल्लवन लिखिए । **(5×1=5)**

''नर हों न निराश करो मन को''

अथवा

संक्षिप्तीकरण कीजिए ।

उदारता का अभिप्राय नि:संकोच भाव से किसी को धन देना नहीं वरन् दूसरों के प्रति सेवा भाव रखना ही है । उदार पुरुष सदा दूसरों के विचारों का आदर करता है और समाज में सेवा भाव से रहता है । यह नहीं समझना चाहिए कि उदारता केवल धन से हो सकती है । सच्ची उदारता इस बात में है कि मनुष्य को मनुष्य समझा जाय । धन की उदारता के साथ सबसे बड़ी एक और उदारता की आवश्यकता यह है कि उस व्यक्ति के प्रति किसी प्रकार का एहसान न जताया जाए । एहसान जताना उपकृत को नीचा दिखाता है ।

VI. 'रक्षक' हेलमेट बनाने वाली कंपनी की बिक्री बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **(5×1=5)**